



# कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-13

“मुझे थोड़ी खुशी हुई कि चूत की खुजली मिटाने वाले मिल गए. इस वक्त मैं बिना लंड के रह ही नहीं पा रही थी. क्योंकि अभी थोड़ी देर पहले ही मुझे अधूरा चोद के छोड़ दिया गया था. ...”

**Story By:** vandhya (vandhyap)

**Posted:** Tuesday, January 15th, 2019

**Categories:** [कोई देख रहा है](#)

**Online version:** [कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-13](#)

# कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह

## दिन-13

अब तक आपने पढ़ा था कि शादी के माहौल में मेरे मौसेरे भाई निहाल ने मेरे साथ हरकत करनी शुरू कर दी थी. उधर अचानक लाइट चले जाने से उसने मेरे लहंगे में घुस कर मेरी पेंटी उतार दी और मेरी चूत चाटने लगा.

मैंने उत्तेजना में वहां बीती मेरी बहन की सहेली रंजना दीदी के सीने पर हाथ रख कर उनके दूध दबा दिए.

अब आगे..

मैं बोली- दीदी, आपका ऐसे माहौल में मन नहीं करता क्या ?

वो बोली- हट पगली.

मैं- सच बताओ ना.. मेरा तो कर रहा है.

तो रंजना दीदी बोली- बहुत मन कर रहा है.. तो तू जा किनारे में चली जा.. अंधेरा भी है, मिल ले किसी से.

मैं बोली- हां दीदी, लग तो ऐसा ही रहा है कि चली जाऊं. पर अकेले नहीं, आप भी चलो न.

वो बोली- चल हट सोनू तू भी ना, चुपचाप खड़ी रह.

तो मैं बोली- दीदी अंधेरा भी है.. आजकल तो लड़की लड़की भी आपस में थोड़ा बहुत काम चला लेती हैं. आपको कोई दिक्कत तो नहीं है ?

वह हंस दी, तो मुझे सपोर्ट मिल गया. मैं बोली- दीदी कुछ दिक्कत हो तो मुझे बता देना.

तो रंजना दीदी बोली- अरे नहीं पगली, तेरे लिए थोड़ा बहुत तेरे सुकून के लिए तो मैं कुछ भी कर सकती हूं. तू सहेली और बहन की तरह है, जो तुझे अच्छा लगे करती रह ... मुझे

दिक्कत नहीं है.

तभी मेरी चूत में निहाल ने अपनी उंगली भी घुसा दी, तो मैं रंजना दीदी के गालों में किस करने लगी और उनके मुँह में अपने हाथ की उंगली डालने लगी. मैंने रंजना के मुँह में अन्दर उंगली डाल दी. वह मेरी उंगली चूसने लगी, पर मुझे बोली कि सोनू कोई देख ना ले... ध्यान देना, जैसे ही लाइट आ जाए, तो यह सब बंद कर देना.  
मैं बोली- जी दीदी.

इतने में वहां जोर जोर से निहाल मेरी चूत को बहुत तेजी से चाटे जा रहा था. मैं 'उंह ... उंहहह ...' किये जा रही थी. मैंने अपना एक हाथ रंजना दीदी के सीने में लगा दिया. उनके मुँह में एक उंगली पहले ही डाली हुई थी. अब तो मैं उनके दूध भी दबाने लगी. वह भी शायद गर्म हो रही थी.

इतने में मैं बहुत अलग तरीके से हांफने लगी, तो रंजना दीदी कान में बोली- सोनू, तू तो बहुत सेक्सी लड़की है. मेरा भी मूड खराब कर दिया तूने ... चल तुझसे बाद में मिलूंगी.  
मैं बोली- हां दीदी.

मैं उनकी कुर्सी में कंधे तरफ झुक गई. मुझसे अब खड़े नहीं हुआ जा रहा था. तभी निहाल ने मेरी गांड में पीछे से एक उंगली को डाल दिया और एक उंगली मेरी चूत में पेल दी. अब मेरी गांड और चूत दोनों में निहाल ने एक एक उंगली घुसा दी थी और वो अन्दर बाहर करने में लगा था. उसने अंधेरे का पूरा फायदा लिया.  
मुझसे रहा भी नहीं जा रहा था तो मैंने कुर्सी में बैठी रंजना दीदी की गर्दन थोड़ा सा घुमा के उनके होंठों को अपने होंठों से चूमने लगी.

रंजना दीदी बोली- अरे छोड़ मरवाएगी क्या सोनू ... लाइट आ जाएगी, कोई देखेगा तो क्या कहेगा.

मैं बोली- कुछ नहीं होगा दीदी.

मैं उनके होंठों को चूसती जा रही थी और उनके दूध भी दबाए जा रही थी.

इधर अब निहाल मुझ पर बिल्कुल झुक कर चढ़ गया था. उसने मेरे लहंगा को ऊपर किया और अपनी पेंट की जिप खोल कर मेरे ऊपर हल्का सा चिपक गया. उसने उंगली से मेरी गांड में थूक लगा कर कुछ चिकना सा किया और कमर पकड़ के जोर से लंड दबा दिया. उसका लंड थोड़ा सा घुसा था, तो मैं बिल्कुल रंजना दीदी से लिपट गई और कान में बोली- दीदी बहुत मन कर रहा है कि कोई अन्दर कर दे. कोई आपका आशिक तो यहां होगा ही. वह बोली- हां है तो ... पर अभी कुछ नहीं हो सकता. बस तू अभी ऐसे ही कंट्रोल कर ले.

मैं बोली- नहीं हो रहा दीदी, क्या करूं ... आप ही बताओ. चलो यहां से अपन दोनों चलते हैं.

रंजना बोली- अभी नहीं ... बैठ जा पगली तू तो बिल्कुल पागल हुई जा रही है.

मैं बोली- हां दीदी, मेरा मन बहुत हो रहा है ... क्या करूं.

इतने में निहाल ने मेरी गांड में और जोर से धक्का दे दिया. उसका आधे से ज्यादा लंड मेरी गांड में घुस गया और मैंने चीख मार दी.

तब दीदी मुझसे बोली- अरे तुझे क्या हुआ ... ऐसा लगता है कि जैसे कोई ने अन्दर डाल दिया हो ?

मैं बोली- हां दीदी, ऐसा ही समझ लो.

वो बोली- पगली, चल तुझे मैं यहीं इंज्वाय करवा दूंगी, पर आज नहीं शादी के बाद.

मैं बोली- ठीक है. दीदी तब तक तुम से ही मजे ले लेती हूं.

तो दीदी हंस दी.

इतने में निहाल ने मेरी कमर पकड़ के और जोर से लंड घुसाया, तो मैं फिर से चीख उठी.

उधर शोर इतना ज्यादा था कि दूसरों को सुनाई नहीं देता था.

मैं दीदी से बोली- दीदी, बहुत दर्द हो रहा है.

तो बोली- अरे सोनू, बिना घुसाए ही ?

मैं बोली- हां ऐसे ही करवाने वाला दर्द हो रहा है.

अब निहाल मेरी गांड में अपना लंड अन्दर बाहर करने लगा था. मुझे दर्द हो रहा था, पर मैं बर्दाश्त किए जा रही थी. तभी निहाल ने सोचा कि मेरी चूत में कैसे डालूं.. तो उसने मेरे कान की तरफ अपनी गर्दन कर दी और बहुत धीरे से बोला, जिससे रंजना को ना सुनाई दे- सोनू, मुझे तेरी चूत में भी डालना है. सोनू कुछ पोजिशन बना दे यार ... बहुत मन कर रहा है.

मैं धीरे से बोली- ऐसे ही कर ले ... कहीं किसी को पता चल गया तो बवाल हो जाएगा.

निहाल बोला- किसी को कुछ पता नहीं चलेगा. बस तू थोड़ा सा हिम्मत कर ले ... बहुत अंधेरा और शोर शराबा है, तू चिंता नहीं कर बस साथ दे.

मैं बोली- ठीक है ... लगा ... किसी को पता ना चले.

मैंने थोड़ा पैर फैलाए और झुक कर उसके कान में बोली- हां डाल दे ... अब तो घुस जाएगा न ?

निहाल बोला- ठीक है, मैं कोशिश करता हूँ.

उसने बिल्कुल आराम से मेरी चूत पर हाथ रख कर अपने लंड को अपने हाथों से पकड़ कर मेरी चूत में पूरी तरह फिट करके अपना लौड़ा मेरी चूत में डाल दिया. लंड घुसा तो मैं अपनी आदत के अनुसार फिर जोर से चीख पड़ी. पर चूत गीली हो गई थी, तो सट से लौड़ा अन्दर हो गया.

अब मैं दीदी के दूध जोर जोर से दबाने लगी. उधर निहाल मेरी चूत में अपना लंड अन्दर तक डाले जा रहा था. वो भी बहुत जोर जोर से चुदाई कर रहा था. मेरा और जोर जोर से लंड घुसवाने का और चूत रगड़वाने का मन करने लगा.

मैं उछल रही थी कि इतने में एकदम से लाइट आ गई और निहाल ने झट से अपना लंड निकाल लिया, पर निकालते निकालते थोड़ी देर हो गई या बगल में जो लड़के खड़े थे, उन दोनों लड़कों ने जल्दी से खेल देख लिया. वो निहाल से बोले- अभी क्या कर रहा था. इतने लोगों के बीच में भी तेरे से कंट्रोल नहीं हुआ ? कौन है यह लड़की तेरी सैटिंग है क्या ?

तब तक मेरा लहंगा ऊपर को ही था. उसने जल्दी से लहंगे को नीचे गिराया. मैंने भी नीचे कर लिया. मैं तो अब बिल्कुल ऐसे खड़ी हो गई कि उन लड़कों को मेरा मुँह ना दिखे, ना वह जान पाएं कि मैं कौन हूँ.

मेरे लहंगा चोली का जो दुपट्टा था, उसे भी सर में जल्दी से डाल लिया और सीधी हो गई थी. मैंने लाइट आते ही रंजना दीदी को भी छोड़ दिया था.

इधर निहाल उन दोनों लड़कों से बोला- कुछ नहीं यार ऐसे ही ... मुझे नहीं पता तुम लोग भी बस यही ताक झांक करते हो, जाओ उधर सामने द्वारपूजा देखो.

तो वह दोनों लोग बोले- अभी तू तो लगता है इसकी ठोक रहा था.. ठीक है बेटा कोई बात नहीं.. मजे कर ले.. पर साले अकेले-अकेले करेगा क्या.. तू हम से छोटा है.. कभी बड़ों को भी पूछ लेता. कहते हैं कि जो भी करो, मिल बांटकर करो, मिल बांट कर खाओ.. तो ज्यादा आनन्द आता है. निहाल साले, तेरी बहन की शादी है. तू वहां बारात की स्वागत में नहीं जा रहा ... यहां सैटिंग के साथ जमावट जमा रहा है.

यही बातें वह सब आपस में कर रहे थे. मेरे कान उनकी तरफ ही थे. मैंने सोची कि कहीं ज्यादा गड़बड़ नहीं हो गई हो.

फिर वे लोग बोले- चल जा ... कोई बात नहीं निहाल जवान है, यह सब तो चलता ही रहता है.

करीब 5 मिनट माहौल में सब चुपचाप और शांत रहा. उसके बाद फिर से मेरे लहंगे के ऊपर से कुछ चुभने लगा. मैं समझ गई कि शायद उसी ने अपना लंड टिका दिया हो और अब

दबाने लगा. मुझे तब लगा कि पीछे सब ठीक हो गया है. तो मैं अब पीछे देख ही नहीं रही थी. मुझे बस चुदास चढ़ी हुई थी. मेरी आधी चुदाई के बाद तो मुझमें जैसे आग लग जाती है. इस वक्त भी मुझे इतना जम के गर्मी और करवाने घुसवाने का मन हो रहा था कि जल्दी से बस कोई लंड डाल दे और रगड़ कर चुदाई करे.

तभी वह जम के मेरे पिछवाड़े में लहंगे के ऊपर से ही अपना लंड दबाने लगा और दबाते दबाते 2 मिनट के बाद मेरे कान में बहुत दबी सी आवाज में बोला कि उधर चल ... बहुत जम के करेंगे.

पर मेरी हिम्मत नहीं हो रही थी.

फिर वो फुसफुसा कर मेरे कान में बोला- यहां नहीं हो पाएगा.

मैं बहुत हल्के से बोली- जो करना है, यहीं करो.

फिर इसके बाद तो उस का हाथ मेरे पीछे तरफ अपने आप मेरी कूल्हों में चलने लगा और उसका लंड भी दोनों चलने लगे. इतने में ही फिर से एक बार लाइट गोल हो गई.

लाइट गोल होते ही वह कान में बोला- अब यहीं डाल दूं ? कुछ नहीं दिख रहा.

मैंने मुँह से बस इतना बोली कि ध्यान से करना.. कोई कैसे भी देख ना पाए.

तो उसने ये सुनते ही नीचे से मेरा लहंगा पकड़कर ऊपर उठाना शुरू किया और मुझसे धीरे से बोला- पूरा डाँगी स्टाइल में झुक जा.

मैं बोली- जल्दी से करना, वरना फिर लाइट आ जाएगी.

वो बोला- ठीक है.

उसने मेरे लहंगे को पूरा पीछे से कमर तक चढ़ाकर मेरे ऊपर लगभग चढ़ गया. उसने मेरी कमर में कस के हाथ लगा कर अपना लंड मेरी गांड के छेद में रख दिया और फिर मुझसे बोला कि अब संभल जा !

जैसे ही उसने मेरी गांड में अपना लौड़ा टच कराया, तो मुझे लगा कि इसका लंड तो अब

और बड़ा हो गया है. मैंने धीरे से अपनी गांड पीछे की, तभी उसने जोर से मुझे पकड़ कर मेरी गांड में अपना लंड घुसा दिया. मैं इस झटके को सह न पाई और मैंने आगे कुर्सी में बैठी रंजना दीदी को जकड़ लिया. मुझे इतना तेज दर्द हुआ कि लगा कि प्राण निकल जाएंगे. बस मैं हमेशा की तरफ दर्द से चीख उठी.

मेरी चीख सुनकर रंजना दीदी बोली- क्या हुआ सोनू .. तुझे कुछ चोट लगी क्या ?

मैं बोली- नहीं दीदी, पता नहीं अन्दर क्या हो रहा है.

वह हंसकर बोली- तुझे बहुत गर्मी चढ़ गई है. मैं कल तेरा इलाज करवा दूँगी कि तू खुश हो जाएगी.

इसके बाद पीछे से एक और तेज झटका मेरी गांड में लगा. इसी झटके के साथ अब पूरा का पूरा लंड मेरी गांड में घुस गया. मैं एक बार फिर से उछल गई और फिर चीखी-

उम्ह... अहह... हय... याह...

इस बार मैंने कसके कुर्सी सहित दीदी को जमके पकड़ लिया और उनके दूधों को जोर से अपने हाथों से दबा दिया.

अब रंजना दीदी बोली- सोनू आज तो मुझे भी लगता है कि तू मेरा नाइट फाल करा कर ही छोड़ेगी.

इधर मैं अपनी गांड के दर्द को बहुत तेजी से दबा रही थी. उधर पीछे उसका लौड़ा मेरी गांड में बड़ी तेजी से अन्दर बाहर होने लगा. इतने में गैस की लाइट लिए मुझे हाथ में निहाल जाते दिखा और उसके साथ एक बड़ी सी ट्रे में नाश्ता लिए अंकित दिखा.

मैं उन दोनों को देख कर एकदम से शाकड हो गई कि ये निहाल तो सामने जा रहा है और अंकित भी, फिर यहां मेरी चुदाई कौन कर रहा है. मेरी इतनी भी हिम्मत नहीं हुई कि मैं देख सकूँ कि कौन है. वह लगातार पीछे लंड अन्दर बाहर किए जा रहा था.



अब तो वो मुझे जोर जोर से चोदने लगा था. मेरा दर्द भी लगभग गायब हो चुका था. मैं लंड के मजे लेते हुए सोचने लगी और दिमाग लगाया कि ये लगता है वही है, जिसने मेरा थोड़ा सा लहंगा उठा और मुझसे चिपके हुए निहाल को देख लिया था और फिर उसने निहाल से बहस भी की थी.

ये शायद वही है.

फिर मैंने सोचा कि लेकिन वे दो-तीन लोग निहाल से एक साथ बहस कर रहे थे. क्या इसके बाद वे भी मुझे चोदने की लाइन लगा कर खड़े हैं. पर मुझे उस समय उन बातों से कुछ लेना देना नहीं रहा और मैं भूल भी गई. बस मजा लेने लगी.

जो मैंने सोचा था वही हुआ भी. अगले ही पल मेरे बगल से एक और लड़का मुझसे चिपक गया और मेरे कान में बोला कि मैं अपने मोबाइल की टॉर्च लगा रहा हूं, मुझे बस तेरा चेहरा भर देखना है. मेरे दोस्त का लंड कैसा लग रहा है, बता दे रानी. इसके बाद मुझे भी चोदना है.

जो लौंडा मेरी गांड में लंड डाले मेरी चुदाई कर रहा था, वह भी मेरी पीठ के तरफ से आगे को हुआ और बोला- एक बार अपना चेहरा दिखा दे. बस तुझे देख लूं कि तू दिखती कैसी है और मैं किस की गांड मार रहा हूं.

उधर इतना ज्यादा अंधेरा और भीड़ थी कि न कुछ दिख रहा था, न कुछ सुनाई दे रहा था. उन लड़कों के पीछे सिर्फ दीवार थी, तो मैंने हिम्मत की और थोड़ा सा अपनी मुंडी घुमा दी.

उस दूसरे लड़के ने बगल से टॉर्च को मेरे चेहरे में लगा दिया और मेरा चेहरा देखते ही दोनों मस्त हो गए, वे मुझे एकटक घूरते रहे.

फिर एक बोला- वाह, तू तो विश्व सुंदरी की तरह है.. साली तू तो सनी लियोनि की भी छुट्टी कर दे.. इतनी मस्त और सुंदर माल है.. पर तू दिखती बहुत छोटी है.. पर यार बहुत

गजब का माल है. निहाल ने तुझे सही पटाया है. तू पहले नहीं दिखी.. कहां की है ?  
वो यही सब बोलने लगे. फिर मेरे कान में धीरे से पूछने लगे- अपना नाम बता दे रानी.  
मैंने भी धीरे से नाम अपना वन्द्या बता दिया.  
वे बोले- ले साली हमको भी देख ले.

मैंने आंखें उठाई, उन्होंने टॉर्च को अपने चेहरे की तरफ घुमाया, तो मैंने देखा कि जो लड़का मेरी गांड में लंड घुसाए हुए था और मेरी गांड की चुदाई कर रहा था वह करीब 30 से 35 साल का पूरा आदमी था और जो बगल से था, वो एक जवान लौंडा था उसकी उम्र यही कोई बीस साल के करीब थी.

मैं बहुत पागल हो रही थी और मजा भी बहुत आ रहा था. मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था.

तभी वह 20 साल वाला लड़का अपने साथी से मुखातिब हुआ, जो मेरी गांड में लंड अन्दर डाले हुए था. वो उससे बोला- भैया ... अब मुझसे नहीं जा रहा ... मैं क्या करूं ?  
तो वह बोला- अबे तू नीचे बैठ जा और इसके सामने तरफ घुस के, तब तक इसके नीचे के मजे ले ले. अभी किसी को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है, इस बात का फायदा उठा ले, जब लाइट आएगी तो उठ जाना.

यह सुनकर बीस साल वाला लड़का कुर्सी और मेरे पैरों के बीच में नीचे बैठ गया. उसने सामने तरफ से मेरे लहंगे को हल्का ऊपर किया और अन्दर घुस गया. उसने अपना मुँह सीधे मेरी चूत में रख दिया और अपनी जीभ से चूत चाटने लगा.

मैं बिल्कुल उछली जा रही थी, पीछे से गांड में लंड घुसाए हुए वो तीस साल वाला जोर से धक्का मार रहा था. उसके धक्के से मैं हिल जाती, तो बीस साल वाला लड़का मेरी नीचे को झुकती चूत को चाटने लगता. उसका सर कुर्सी में टकरा जा रहा था, तब भी पर वह मुझे पकड़े हुए मेरी चूत को चाटे जा रहा था.

मुझसे अब बिल्कुल नहीं रहा जा रहा था. पीछे वाला भी पागल सा हो रहा था. उसने बोला- साली तू तो गजब की मस्त चुदक्कड़ है.. बता तो, कब से चुदवा रही है.. तुझे मैं आज बहुत देर तक चोदूंगा.. भगवान करे लाइट आए ही नहीं.

ऐसा कहते हुए उसने मुझे और तेज जकड़ा और पीछे से पकड़ कर मेरी गांड से लिपटने लगा. वह एकदम बेकाबू हो रहा था. उसने मेरी गांड में लंड डाले हुए आने हाथ आगे बढ़ाए और मेरी चोली के ऊपर से ही मेरे दूधों को पकड़ कर जोर जोर से दबाने लगा. मैं भी रंजना दीदी के दूधों को जोर जोर से दबाने लगी और रंजना दीदी के होंठों को भी चूमने लगी.

मैं रंजना दीदी से बोली- दीदी कुछ भी करो.. मेरा बहुत मन हो रहा है. चलो आपकी मैं चूत चाट लूं.. मेरा बहुत मन कर रहा है.

तो रंजना दीदी बोली- अरे सोनू पागल हो गई क्या तू.. तुझे क्या हो गया ?

मैं बोली- वो सब मैं बाद में बताऊंगी अभी मुझे कुछ करो. पता नहीं क्या हो रहा है, मेरा बहुत मन हो रहा है.

तो दीदी बोली- सोनू कंट्रोल कर यार ... नहीं तो तू पीछे चली जा, उधर कई जेंट्स हैं..

किसी को लेकर किसी कोने में लंड लगवा ले.

मैं बोली- ऐसे नहीं जा सकती ... तुम चलो दीदी.

तो वह बोली- मैं आज नहीं निकल सकती. हां, कल सब तेरा इंतजाम करा दूंगी.

अब तक मेरे पीछे का पूरा दर्द गायब हो चुका था. वह जोर-जोर से मेरे अन्दर डाले हुए था. इतने में फिर से पता नहीं कैसे उधर से निहाल आ गया और वह जो मेरी गांड में लंड डाले हुए था, उससे बोला- अरे भैया तुम यह सब क्या कर रहे हो. ये गलत बात है, यह मेरी बहन है.

मुझे सुनाई देने लगा तो वह जो डाले हुए था, बिना लंड निकाले ही बोला- साले तू अभी

थोड़ी देर पहले अपनी इसी बहन की गांड मार रहा था. और अब मुझे बोल रहा है भोसड़ी के कि ये गलत है.

निहाल चुपचाप खड़ा हो गया.

वो लंड पेलते हुए बोला- मेरा बस थोड़ी देर में काम हो जाएगा, फिर तू ले जाना अपनी बहन को ... साले मुझे चूतिया बनाता है.

उसने अपना लंड नहीं निकाला. इतने में लाइट फिर से आ गई और वह जो नीचे लड़का चूत चाट रहा था, वह झट से बाहर निकल आया.

निहाल ने उसको एक तमाचा मार दिया और बोला- साले कहां घुसा था तू ? इतना छोटा है फिर भी मौके का फायदा उठा लिया.

वह निहाल से भी छोटा था और इतने में वह लड़का, जो मेरी गांड को चोद रहा था उसने भी जल्दी से अपना लंड निकाल लिया. मेरा लहंगा भी नीचे हो गया. इस बार और कोई मुझे चुदते हुए नहीं देख पाया था.

अब लाइट बराबर थी, पर मैं बिल्कुल पागल हो रही थी. उस लड़के ने बहुत तेजी से चाट चाट के चूत को गीली कर दिया और एक ने पीछे मेरी गांड में लंड डाला था. अब मेरा चुदाई का बहुत मन करने लगा. मेरा मूड खतरनाक बन गया था. थोड़ी देर में द्वारपूजा भी खत्म हो गई और अब जयमाल की तैयारी हो रही थी.

उधर एक जगह जहां डीजे लगा था, सभी लड़कियां बोलीं- चलो डांस करते हैं.

सब लड़कियां बुआ लोग सब लोग वहां पर पहुंच गईं. मैं भी उधर आ गई. कुछ जेंट्स भी नाच रहे थे. मैंने देखा कि कई जेंट्स बस मेरी तरफ ही घूर रहे थे.

इतने में राज अंकल फिर फोन लेकर मुझे ढूंढते आए. वे बोले- सोनू ले तेरा कॉल ... वही

भैया वाला.

तो मैं बोली- दीजिए.

मैंने मोबाइल ले लिया. फोन पर दूसरी तरफ वही मानिकपुर के स्टोर वाले थे. वे मुझसे बोले- वन्द्या हम लोग आ चुके हैं. तुम किधर हो ? दो लोग अन्दर आ रहे हैं.. और दो दोस्त कार में बाहर बैठे हैं. जो विदेशी नीग्रो आए हैं, वे ही कार में बैठे हैं. तुम यह बताओ कि कितनी देर में निकल चलोगी ?

मुझे भारी चुदास चढ़ी हुई थी तो न जाने कैसे मैंने एकदम से बोल दिया- अन्दर आ जाओ ... मैं डीजे के पास दिख जाऊंगी. फिर जैसा भी होगा मैं बताती हूं.

जैसे ही वे लोग आए, मैंने उन्हें देखकर एकदम से हाथ हिला दिया. मुझे थोड़ी सी खुशी भी हुई कि चलो चूत की खुजली मिटाने वाले मिल गए. इस वक्त मेरा मन हो ही रहा था और मैं बिना लंड के रह ही नहीं पा रही थी. क्योंकि अभी थोड़ी देर पहले ही मुझे अधूरा थोड़ा करके छोड़ दिया गया था.

मैंने सोचा कि कैसे भी नजर बचाकर थोड़ी देर के लिए उनके साथ चली जाऊंगी और इनसे चुदने में भी क्या जाता है. इनसे पहले भी मिली हुई तो हूं ही. ये अजनबी तो हैं नहीं.

तभी वह स्टोर वाला लड़का डीजे के पास आया. मैंने उसे देख लिया उसके साथ एक लंबा हैंडसम लड़का शेरवानी सूट में था. मैं समझ गई कि यही वह उसके बड़े सेठ का लड़का है. वो मुझे अच्छा लगा. मैं इसके बाद उसकी तरफ जाकर थोड़ा पास में को खड़ी हो गई ताकि वह बात कर सके.

वह स्टोर वाला मुझको बोला- देखो सामने हमारी बड़ी सी गाड़ी फॉर्च्यूनर खड़ी है. यह जो मेरे बगल से खड़े हैं यही हमारे मालिक के बेटे हैं. बहुत ही रईस लोग हैं.

मैंने उस सेठ के लौंडे की तरफ देखा तो उसी ने उनको मेरे बारे में बताना शुरू कर दिया कि

यही वह लड़की है, जो उस दिन स्टोर पर मिली थी और मैंने आपको इसी की फोटो दिखाई थी.

तो इस पर वह उस स्टोर वाले से बोला- नहीं ये वो लड़की नहीं है. यह तो कयामत माल है, तुमने जो फोटो दिखाया था, ये तो उससे लाख गुना ज्यादा मस्त माल है. इसके लिए तो हम कुछ भी कर देंगे. तुम बस इससे बात करो और लेकर आओ.. मैं गाड़ी पर तरफ चलता हूं.

कहानी जारी है. आपके कमेंट्स का इन्तजार रहेगा.

vandhyap13@gmail.com

## Other stories you may be interested in

### कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-11

अब तक आपने पढ़ा था कि मेरी चूत को अनवर जोर जोर से चोद रहा था, धक्के मार रहा था. तभी पीछे से मेरे बालों को पकड़ के कसके रमीज चोदने लगा था और गाली मुझे देने लगा था. मैं [...]

[Full Story >>>](#)

### बस में मिली प्यासी चूत वाली भाभी

दोस्तो! मैं अखिल, राजस्थान का रहने वाला हूँ. यह मेरी पहली कहानी है, उम्मीद करता हूँ कि आपको यह पसंद आएगी. यह मेरी वास्तविक कहानी है. मुझे भाभी और आंटी बहुत पसंद हैं। अब मैं कहानी पर आता हूँ. मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

### बस स्टॉप के पीछे गर्लफ्रेंड को चोदा

दोस्तो, सबसे पहले अन्तर्वासना का धन्यवाद जिसकी कृपा से सभी को लंड को खड़ा करने वाली और चूत में उंगली डालने को मजबूर करने वाली कामुक कहानियाँ पढ़ने और लिखने को मिल जाती हैं। मैं आप सबको अपने बारे में [...]

[Full Story >>>](#)

### तीन मर्द और मां की चुदाई

हाय दोस्तो, हम निशा और विराट एक बार फिर से आप लोगों के लिए माँ की चुदाई की कहानी लेकर हाजिर हैं. आप हमेशा हमें मेल कीजिएगा और अपने कमेंट्स भेजिए. आप हमें अपनी फंतासी भी बताइएगा कि आप क्या [...]

[Full Story >>>](#)

### वह अविस्मरणीय, पूजनीय लंड

ईश्वर सबसे बड़ा रचयिता है, उसके कला कौशल की कोई सीमा नहीं है. कितनी तरह के पेड़ पौधे, कितनी तरह के जीव जंतु, कितनी तरह के मनुष्य. सभी के रंग रूप अलग अलग. न कोई कलाकार परमपिता की बराबरी कर [...]

[Full Story >>>](#)

